AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

पीजी के सात विषयों के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी

लविवि : बीपीएड व योगा डिप्लोमा की तिथियां तय

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के अंतर्गत परास्नातक कोर्स के सात विषयों का परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। इसके अलावा बीपीएड और योगा डिप्लोमा का कार्यक्रम भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

परीक्षा विभाग की ओर जारी परीक्षा कार्यक्रम के मुताबिक, एमए व एमएससी स्टैटिक्स पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 23 जनवरी तक और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जनवरी से 24 तक होंगी। एमए व एमएससी योगा की परीक्षाएं 13 से 25 जनवरी तक और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 से 24 जनवरी तक होंगी। एमए-एमएससी बायोस्टैटिक्स की 13 से 23 जनवरी तक और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 24 जनवरी के बीच होंगी।

इसी तरह एमए एमएससी पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 25 के बीच कराई जाएंगी। एमए उर्दू पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 25 जनवरी के बीच और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 27 जनवरी के बीच कराई जाएंगी। एमए जियोग्राफी की परीक्षाएं 21 से 29 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 24 जनवरी के बीच कराई जाएंगी।

एमएससी बायोकेमिस्ट्री पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 29 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की 13 से 24 जनवरी के बीच कराई जाएंगी। इसके साथ ही जारी किए गए पीजी डिप्लोमा योगा की परीक्षाएं 16 से 25 जनवरी के बीच कराई जाएंगी। वहीं बीपीएड की परीक्षाएं 3 से 11 जनवरी के बीच कराई जाएंगी।

फाइन आर्ट्स और कॉमर्स में दाखिले की राह कठिन

माई सिटी रिपोर्टर

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के 10 विषयों के परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि ने दस और विषयों की पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। साक्षात्कार के बाद अब अंतिम सूची जारी की जाएगी। इन विषयों में सबसे ज्यादा मारामारी फाइन आर्ट्स और कॉमर्स में दाखिले के लिए होने वाली है। सीट के मुकाबले इन विषयों में सफल अभ्यर्थियों की संख्या काफी ज्यादा है।

जिन विषयों में चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी हुई है, उसमें डिफेंस स्टडीज, इकनॉमिक्स, दर्शनशास्त्र, टूरिज्म मैनेजमेंट, वूमेन स्टडीज, कॉमर्स, बॉटनी, जियोलॉजी, एनवायरमेंटल साइंसेज और फाइन आर्ट्स शामिल हैं। लखनऊ विवि की वेबसाइट पर विस्तृत सूची देखी जा सकती है। विवि ने गत 7 व 8 दिसबंर को हुई पीएचडी प्रवेश परीक्षा के क्रम में 10 और विषयों के साक्षात्कार के लिए चयनितों की सूची जारी कर दी है। साक्षात्कार के लिए चयनित विद्यार्थियों की यह तीसरी सूची है। लविवि ने अभी तक किसी भी विषय के लिए साक्षात्कार की तिथि जारी नहीं की है।

जियोलॉजी में सबसे कम मारामारी

लविवि की ओर से चयनित अभ्यर्थियों में सबसे कम मारामारी जियोलॉजी में दिख रही है। जियोलॉजी की 11 सीटों के लिए 19 सफल अभ्यर्थी हैं। फाइन आर्ट्स में तीन सीटों के लिए 22 अभ्यर्थी दावेदारी पेश करेंगे। इसी तरह कॉमर्स की 41 सीटों पर 223 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इसके अलावा लगभग हर विभाग में सीट के मुकाबले दोगुने और कई में तीन गुना ज्यादा तक अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

विभाग	सीट	सफल अभ्यर्थी
डिफेंस स्टडीज	6	13
इकनॉमिक्स	36	81
दर्शनशास्त्र	12	41
टूरिज्म मैनेमेंट	4	6
वूमेन स्टडीज	3	14
कॉमर्स	41	223
बॉटनी	47	117
जियोलॉजी	11	19
एनवायरमेंट साइंस	3	6
फाइन आर्ट्स	3	22

पीएम के संसदीय क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं का लविवि में अध्ययन

प्रबंधन और वाणिज्य विभागों के शिक्षकों की साझा पहल

भू-भौतिकी वैज्ञानिक सेवा में मयंक की पांचवीं रैंक

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में लविवि के नौ विद्यार्थी चयनित

मयंक शुक्ला

लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित भू-भौतिकी वैज्ञानिक परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के आठ विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है।

इसमें भौतिक विज्ञान विभाग के शोधार्थी मयंक शुक्ला ने अखिल भारतीय स्तर पर (एआईआर) पांचवीं रैंक हासिल की है। वहीं महिमा वर्मा का चयन हाइड्रोजियोलॉजिस्ट के पद पर हुआ है।

मयंक विवि के प्रो. अमृतांशु शुक्ला के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। वह यूजीसी की ओर से आयोजित नेट में जेआरएफ उत्तीर्ण कर चुके हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि भू-भौतिकी वैज्ञानिक परीक्षा में लविवि से चयनित होने वाले विद्यार्थियों में दीपशिखा दत्ता एआईआर-8, अक्षत श्रीवास्तव एआईआर-15 के अलावा अभिषेक मौर्य, सौम्या सोनी, प्रगति गौतम, नंदिता सिंह और गौरव सिंह शामिल हैं।

इन सभी पूर्व और वर्तमान विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

डॉ. मानिनी बनीं मनोविज्ञान की समन्वयक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की शिक्षक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव को विभाग का समन्वयक नामित किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका पत्र जारी कर दिया। वह कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्षों तक इस पद पर बनी रहेंगी। (संवाद)

वाणिज्य व प्रबंधन के विद्यार्थी करेंगे शोध

HINDUSTAN PAGE 8

वाराणसी के धार्मिक पर्यटन पर अध्ययन करेगा एलयू

निर्णय

लखनऊ, संवाददाता। वरुणा और असी नदी के बीच बसे शहर वाराणसी के धार्मिक पर्यटन, स्वास्थ्य व चिकित्सा सुविधा, औद्योगिक विकास और कनेक्टिविटी व बुनियादी ढांचे समेत कई बिन्दुओं पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय करेगा। हाल ही में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अगुवाई में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने वाराणसी के कई क्षेत्रों का दौरा कर निर्णय लिया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय वाराणसी में की गई पहलों और विकास के विस्तृत विश्लेषण के लिए अर्थशास्त्र, वाणिज्य, प्रबंधन और इसी तरह के विषयों से अलग-अलग छात्रों को शोध प्रबंध विषय आवंटित करेगा। जिससे उद्योग और समाज को जोड़ा जा सके। कुलपति प्रोफेसर राय के मुताबिक प्रारंभिक रिपोर्ट में टीम इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि एक समग्र योजना बनाकर उसे क्रमिक ढंग से लागू किया गया है, जिससे न केवल देश के बाकी हिस्सों के साथ वाराणसी की कनेक्टिविटी बढ़ी है, शहर के बुनियादी ढांचे को लगातार बढ़ती हुई अस्थिर आबादी को संभालने में सक्षम बनाया गया है।

पीएचडी के 10 विषयों का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत 10 विषयों का परिणाम मंगलवार को जारी किया गया। इसके लिए सात व आठ दिसंबर को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसके मद्देनजर साक्षात्कार के लिए चयनितों की सूची जारी कर दी है। इससे पहले 24 विषयों के लिए चयनितों की सूची जारी की जा चुकी है। जिन विषयों में चयनितों की सूची जारी हुई है, उसमें रक्षा अध्ययन, अर्शशास्त्र, दर्शनशास्त्र, टूरिज्म मैनेजमेंट, महिला अध्ययन, वाणिज्य, वनस्पति विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, पर्यावरणीय अध्ययन और ललित कला विषय शामिल हैं।

भू-भौतिकी वैज्ञानिक परीक्षा में मयंक को पांचवीं रैंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नौ विद्यार्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित भू-भौतिकी वैज्ञानिक परीक्षा में सफलता हासिल की है। इसमें भौतिक विज्ञान विभाग के शोधार्थी मंयक शुक्ला ने अखिल भारतीय स्तर पर पांचवी रैंक हासिल की है। वह विवि के डॉ. अमृतांशु शुक्ला के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा दीपशिखा दत्ता एआईआर आठ, अक्षत श्रीवास्तव एआईआर 15, अभिषेक मौर्य, सौम्या सोनी, प्रगति गौतम, नंदिता व गौरव शामिल हैं।

डॉ. मानिनी मनोविज्ञान की समन्वयक बनीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की शिक्षक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव को विभाग का समन्वयक नामित किया गया है। कुलपति प्रो.. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका पत्र जारी किया। वह कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्षों तक इस पद पर बनी रहेंगी।

PIONEER PAGE 3

वाराणसी के विकास के आर्थिक प्रभाव का अध्ययन करेगा लविवि

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के विकास के आर्थिक प्रभाव का लखनऊ विश्वविद्यालय अध्ययन करेगा। विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र में की गई विकासात्मक पहलों के कारण नागरिकों और समाज को मिलने वाले आर्थिक लाभों का आकलन करने का कार्य शुरू किया है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 के तहत विकसित भारत युवा नेता संवाद कार्यक्रम के तृतीय चरण का आयोजन किया गया। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से चयनित 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 10 विषयों में जिसमें विकसित भारत के लिए तकनीकी, विकास भी विरासत भी, विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना, भारत को विश्व गुरु बनाना, भारत को विश्व की स्टार्टअप राजधानी बनाना, फिट इंडिया : विकसित भारत का साधन, भारत को वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनाना, भारत को ऊर्जा दक्ष बनाना, भविष्य के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण तथा महिलाओं को सशक्त बनाना और सामाजिक संकेतकों में सुधार करना जैसे विषय शामिल किए गए। आयोजन विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर वीके शर्मा तथा उप निदेशक अजातशत्रु शाही के पर्यवेक्षण में किया गया।

परास्नातक ऑड सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक ऑड सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। एमए भूगोल सेमेस्टर एक की परीक्षाएं 23 से 29 जनवरी के बीच ली जाएंगी। जबकि तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 जनवरी से 24 जनवरी के मध्य होंगी। एमए और एमएससी गणित प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 25 जनवरी के बीच ली जाएंगी। इसी दौरान बैक पेपर की परीक्षाएं भी गणित विषय की होंगी। सेमेस्टर तीन की परीक्षाएं 15 जनवरी से 24 जनवरी के बीच ली जाएंगी। परास्नातक डिप्लोमा योग सेमेस्टर तीन की परीक्षाएं 16 जनवरी से 25 जनवरी के बीच होंगी। एमएससी बायोकेमेस्ट्री सेमेस्टर एक और तीन की परीक्षाएं 21 से 29 जनवरी और 13 से 24 जनवरी के बीच ली जाएंगी। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी सेमेस्टर एक की परीक्षाएं 21 से 29 जनवरी को होंगी तो सेमेस्टर तीन की परीक्षाएं 13 से 24 जनवरी के बीच सम्पन्न होंगी। एमए उर्दू सेमेस्टर एक और तीन की परीक्षाएं भी 13 जनवरी से शुरू होंगी और 27 जनवरी तक चलेंगी। बीपीएड सेमेस्टर एक और तीन की परीक्षाएं 3 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी को समाप्त हो जाएंगी।

काशी के आर्थिक विकास का अध्ययन करेगा लविवि

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी के आर्थिक विकास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि समग्र कल्याण में योगदान देने के लिए शिक्षाविदों को उद्योग और समाज से जोड़ने के प्रयास में विश्वविद्यालय ने वाराणसी में की गई विकासात्मक पहल के कारण नागरिकों को मिलने वाले आर्थिक लाभों का आंकलन करने का कार्य शुरू किया है। इस कार्य की शुरुआत वाणिज्य और प्रबंधन के प्रोफेसरों सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों के दौरे से हुई है। जिनका नेतृत्व कुलपति डॉ. राय ने किया। विकासात्मक पक्षों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया है। कनेक्टिविटी को मजबूत करना और बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधा को बढ़ावा देना, औद्योगिक और अन्य संबंधित गतिविधियां।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के मयंक ने यूपीएससी में हासिल की पांचवीं रैंक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के शोध छात्र मयंक शुक्ला ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भूभौतिकी वैज्ञानिक चयन परीक्षा में देश भर में पांचवीं रैंक हासिल की है। मयंक शुक्ला प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ला के मार्गदर्शन में भौतिकी विभाग में शोध कार्य कर रहे हैं। यह उपलब्धि मयंक के कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। मयंक ने इससे पूर्व नेट-जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उच्च स्थान प्राप्त किया था। मयंक शुक्ला ने अपनी शिक्षा और शोध में उत्कृष्टता की मिसाल पेश की है और उनकी इस सफलता ने न केवल उनके परिवार को, शिक्षकों को और लखनऊ विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे शैक्षिक समुदाय में भी एक सकारात्मक संदेश भेजा है। वहीं, दीपशिखा दत्ता एआईआर में आठवीं रैंक, अक्षत श्रीवास्तव एआईआर में 15वीं रैंक, अभिषेक मौर्य, सौम्या सोनी, प्रगति गौतम, नंदिता सिंह और गौरव सिंह का चयन हुआ है। जबकि हाईड्रोजियोलॉजिस्ट माहिमा वर्मा का चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि यदि लगन और सच्ची मेहनत हो, तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। मयंक को उनकी शानदार सफलता के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय तथा विभाग के सभी शिक्षकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

लविवि वाराणसी के विकास के आर्थिक प्रभाव का करेगा अध्ययन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समग्र कल्याण में योगदान देने के लिए शिक्षाविदों को उद्योग और समाज से जोड़ने के प्रयास में, लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में की गई विकासात्मक पहलों के कारण वाराणसी के नागरिकों और समाज को मिलने वाले आर्थिक लाभों का आकलन करने का कार्य शुरू किया है।

इस कार्य की शुरूआत वाणिज्य और प्रबंधन के प्रोफेसरों सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों के दौरे से हुई, जिनका नेतृत्व कुलपति जी ने किया, जो स्वयं प्रबंधन अनुशासन से आते हैं। उन्होंने हाल ही में वाराणसी का दौरा किया। उन्होंने विकासात्मक पक्षों का जायजा लिया और उन्हें चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया, जिसमें कनेक्टिविटी को मजबूत करना और बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधा को बढ़ावा देना, औद्योगिक और अन्य संबंधित गतिविधियां हैं।

प्रारंभिक रिपोर्ट में, टीम ने निष्कर्ष निकाला कि एक समग्र योजना की पहचान की गई है और उसे क्रमिक ढंग से लागू किया गया है, जिससे न केवल देश के बाकी हिस्सों के साथ वाराणसी की कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और शहर में अन्य धार्मिक महत्व के स्थानों की पहल के साथ शहर के बुनियादी ढांचे को लगातार बढ़ती हुई अस्थिर आबादी को संभालने में सक्षम बनाया गया है। वाराणसी को बीएचयू और रेलवे अस्पताल में चिकित्सा बुनियादी ढांचे को विकसित करने और मजबूत करने पर भी काफी प्रोत्साहन मिला है। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और नेपाल की आबादी को मदद मिली है। बनारसी सिल्क उद्योग, लकड़ी के खिलौने उद्योग सहित ग्रामीण और कुटीर उद्योग को मजबूत करने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास भी शुरू किया गया है।

JAGRAN CITY PAGE III

भू-भौतिकी वैज्ञानिक परीक्षा में छात्र मयंक शुक्ला को देश में पांचवीं रैंक

जासं, लखनऊ : संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित भू-भौतिकी वैज्ञानिक एवं संयुक्त भू-वैज्ञानिक चयन परीक्षा में लवि के विद्यार्थियों ने देश भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। शोध छात्र मयंक शुक्ला ने देश भर में पांचवीं रैंक हासिल की है।

वहीं, भू-वैज्ञानिक परीक्षा में दीप शिखा दत्ता ने आठवीं, अक्षत श्रीवास्तव ने 15वीं और अभिषेक मौर्या ने 29वीं रैंक पाकर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इनका भी हुआ चयन : लवि के भू-विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने बताया कि भू-विज्ञानी परीक्षा में विभाग के सौम्या सोनी, नंदिता सिंह और गौरव सिंह का भी चयन हुआ है। परीक्षा में छात्रा महिमा वर्मा को भी सफलता मिली।

स्टैंडर्ड किताबें पढ़ीं, पुराने प्रश्न पत्र हल किए

आइआइटी आइएसएम धनबाद से मैंने एमएससी किया। लवि के प्रो. अमृतांशु शुक्ला के मार्गदर्शन में पी.एचडी कर रहा हूं। भू- विज्ञानी परीक्षा की तैयारी के लिए स्टैंडर्ड किताबों एवं पिछले वर्ष के प्रश्न हल किए। दूसरे प्रयास में भू-विज्ञानी समूह-ए के पद पर चयन हुआ। इससे पूर्व नेट-जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उच्च स्थान प्राप्त किया था। -मयंक शुक्ला, (पांचवीं रैंक, भू- भौतिकी वैज्ञानिक) केतन विहार, आलम नगर

दूसरे प्रयास में मिली सफलता

केकेसी से 2020 में बी.एससी और फिर लखनऊ विश्वविद्यालय से एम.एससी की डिग्री ली। पिछले साल पहले प्रयास में जब मेरा चयन नहीं हुआ तो लगा कि मैं नहीं कर पाऊंगी। लेकिन मेरे मम्मी-पापा की वजह से फिर तैयारी शुरू की। अपने विषय को अच्छे से तैयार किया। मेहनत रंग लाई और सफलता मिली। पापा देवजीत दत्ता का दवाइयों का कारोबार है। मम्मी नीतू दत्ता गृहिणी हैं। - दीप शिखा दत्ता, आठवीं रैंक, भू- विज्ञानी, विश्वविद्यालय रोड

लिखने का खूब अभ्यास किया

मुझे तीसरे प्रयास में सफलता मिली। इसके लिए रिवीजन पर बहुत फोकस किया। प्रीलिम्स में शार्ट नोट्स बनाए और पुराने वर्षों के प्रश्न हल किए। मेंस में लिखने का खूब अभ्यास किया। इंटरव्यू के लिए भी काफी तैयारी करनी पड़ी। मैंने 2020 में लवि से बी.एससी और 2022 में आइआटी भुवनेश्वर से किया। अभी आइआइटी कानपुर से एमटेक कर रही हूं। सीएसआइआर नेट भी उत्तीर्ण हूं। पापा प्यारे लाल जीएसआइ में कार्यरत हैं। मम्मी राम देवी गृहिणी हैं।

प्रगति गौतम, 37 रैंक, भू-विज्ञानी, दुबग्गा

आनलाइन माक टेस्ट से हुई तैयारी

आलमबाग के देश भारती स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई के बाद केकेसी से बी.एससी किया। उसके बाद लवि से एम.एससी की डिग्री ली। पहले प्रयास में इंटरव्यू तक पहुंच गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे प्रयास में आनलाइन माक टेस्ट से तैयारी में काफी मदद मिली। पाठ्यक्रम के हर बिंदु को तैयार किया, जिसका इसमें फायदा मिला। मैं आइआइटी रुड़की से पी.एचडी कर रहा हूं। मेरे पापा राम सजीवन मौर्या डायल 112 में तैनात हैं। मम्मी कृष्णा कुमारी गृहिणी हैं। -अभिषेक मौर्या, 29वीं रैंक, भू- विज्ञानी, आलमबाग इकोगार्डन

मेहनत काम आई

मैंने सेंट फ्रांसिस कालेज से 12वीं की पढ़ाई की। लवि से बीएससी और एम.एससी के बाद भूविज्ञानी के लिए तैयारी शुरू की। पिछले साल चार नंबर से फाइनल चयन नहीं हो पाया था। इस बार कड़ी मेहनत से सफलता मिली। तैयारी में शिक्षकों की गाइडेंस भी बहुत काम आई।

अक्षत श्रीवास्तव, 15वीं रैंक, भू-विज्ञानी, जानकीपुरम विस्तार

वाराणसी में विकास के आर्थिक प्रभाव का अध्ययन करेगा लवि

LOKSATYA PAGE 3

लखनऊ विवि वाराणसी के विकास के आर्थिक प्रभाव का करेगा अध्ययन

समाज को मिलने वाले आर्थिक लाभों का आकलन करने का कार्य शुरू किया

शोध

- विकासात्मक पक्षों का जायजा लिया और उन्हें चार श्रेणियों में वर्गीकृत

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि वाराणसी विकास के आर्थिक प्रभाव का करेगा अध्ययन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। समग्र कल्याण में योगदान देने के लिए शिक्षाविदों को उद्योग और समाज से जोड़ने के प्रयास में लविवि ने प्रधानमंत्री द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में की गई विकासात्मक पहलों के कारण वाराणसी के नागरिकों और समाज को मिलने वाले आर्थिक लाभों का आकलन करने का कार्य शुरू किया है। ये बातें, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहीं। उक्त कार्य की शुरुआत वाणिज्य और प्रबंधन के प्रोफेसरों सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों के दौरे से हुई। जिनका नेतृत्व कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने किया, जो स्वयं प्रबंधन अनुशासन से आते हैं। उन्होंने हाल ही में वाराणसी का दौरा किया। उन्होंने विकासात्मक पक्षों का जायजा लिया और उन्हें चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया। जिसमें कनेक्टिविटी को मजबूत करना और बुनियादी ढांचे को बढ़ाना। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना। स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधा को बढ़ावा देना। औद्योगिक और अन्य संबंधित गतिविधियां शामिल है। प्रारंभिक रिपोर्ट में, टीम ने निष्कर्ष निकाला कि एक समग्र योजना की पहचान की गई है और उसे क्रमिक ढंग से लागू किया गया है, जिससे न केवल देश के बाकी हिस्सों के साथ वाराणसी की कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और शहर में अन्य धार्मिक महत्व के स्थानों की पहल के साथ शहर के बुनियादी ढांचे को लगातार बढ़ती हुई अस्थिर आबादी को संभालने में सक्षम बनाया गया है। वाराणसी को बीएचयू और रेलवे अस्पताल में चिकित्सा बुनियादी ढांचे को विकसित करने और मजबूत करने पर भी काफी प्रोत्साहन मिला है। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और नेपाल की आबादी को मदद मिली है। बनारसी सिल्क उद्योग, लकड़ी के खिलौने उद्योग सहित ग्रामीण और कुटीर उद्योग को मजबूत करने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास भी शुरू किया गया है। अमूल डेयरी प्लांट की स्थापना ने डेयरी उद्योग से जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत किया है। लविवि ने वाराणसी में की गई पहलों और विकास के विस्तृत विश्लेषण के लिए अर्थशास्त्र, वाणिज्य, प्रबंधन और इसी तरह के विषयों से अलग-अलग छात्रों को शोध प्रबंध विषय आवंटित करने की योजना बनाई है।

- कुलपति वाराणसी के विकासात्मक पक्षों का लिया जायजा

विकसित भारत के लिए युवाओं को बनाना है सशक्त

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के कुशल नेतृत्व में 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 के अधीन विकसित भारत युवा नेता संवाद कार्यक्रम के तीसरे चरण का आयोजन लविवि के पांच विभिन्न सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से निबंध प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में चयनित 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह संपूर्ण कार्यक्रम 10 विषयों में क्रियान्वित किया जिसमें विकसित भारत के लिए तकनीकी, विकास भी विरासत भी, विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना, भारत को विश्व गुरु बनाना, भारत को विश्व की स्टार्टअप राजधानी बनाना, फिट इंडिया, विकसित भारत का साधन, भारत को वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनाना, भारत को ऊर्जा दक्ष बनाना, भविष्य के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण तथा महिलाओं को सशक्त बनाना और सामाजिक संकेतकों में सुधार करना जैसे विषय शामिल किए गए जिसमें प्रत्येक विषय में निर्णायक मंडल ने मूल्यांकन का कार्य संपादित किया। कार्यक्रम का आयोजन लविवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.वीके शर्मा और उप निदेशक अजातशत्रु शाही के पर्यवेक्षण में किया गया। प्रतिभागियों का साक्षात्कार भारत सरकार की ओर से नियुक्त विशेषज्ञ अजय कश्यप ने लिया।कार्यक्रम में ज्यूरी के रूप में प्रति कुलपति प्रो.मनुका खन्ना, डॉ.अनित्य गौरव एवं अन्य विशेषज्ञों ने कार्य किया। इसके लिए राज्य सरकार ने लविवि को मूल्यांकन केन्द्र नामित किया था। अभिलेख परीक्षण तथा पंजीकरण का कार्य जिला युवा कल्याण के अधिकारियों ने किया।

भूभौतिकी वैज्ञानिक चयन परीक्षा में एलयू छात्र को पांचवां स्थान

जीवन बचाने के लिए सीपीआर के महत्व से कराया रूबरू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। डॉ.गिरि लाल

TOI PAGE 4

8 LU students crack UPSC Geologist exam

TNN | Dec 25, 2024, 04.57 AM IST

Lucknow: Eight students from Lucknow University's department of geology have qualified the prestigious Geologist examination conducted by Union Public Service Commission. In results declared on Tuesday, seven students secured top positions in 40 Geologist posts, while one student excelled in the Hydrogeologist category, securing one of the four available posts.

Deepshikha Dutta, who secured All India Rank (AIR) 8, said, "This was my second attempt. My parents gave me the strength to restart, and today, I stand victorious. My goal is to contribute to India's mineral self-reliance."

Akshat Srivastava, AIR 15, said, "I feel a sense of accomplishment and my goal is to work for this organisation in best possible manner and apply all my knowledge and learning." Other successful candidates are Abhishek Maurya (AIR 29), Saumya Soni (AIR 34), Pragati Gautam (AIR 37), Nandita Singh (AIR 30), Gaurav Singh (AIR 31), and Mahima Verma, who secured AIR 2 in Hydrogeologist category.

"This outstanding achievement highlights the dedication and academic excellence of the students and the department's commitment to nurturing talent," said Prof Dhruvsen Singh, head of the department.

LU scholars to carry out research on devpt in Kashi under PM Modi

TNN | Dec 25, 2024, 04.57 AM IST

Lucknow: Lucknow University will allocate dissertation topics to students from disciplines like economics, commerce, management for the detailed analysis of the initiatives and development witnessed at Varanasi ever since Prime Minister Narendra Modi has been elected as its Member of Parliament in 2014.

The decision follows the visit of LU faculty members, led by vice chancellor professor Alok Kumar Rai, to the city to assess the economic benefits the locals have availed on account of the developmental initiatives undertaken by Modi in his constituency. The LU team took stock of the developmental initiatives related to connectivity and infrastructure, religious tourism, health and medical facilities and industrial and other related activities. In the preliminary report, the team concluded that a holistic plan has been identified and put in place in a gradual fashion which not only enhanced the connectivity of Varanasi with the rest of the country but also enabled the city infrastructure to handle the ever-increasing floating population.

Varanasi also received enormous impetus on developing and strengthening medical infrastructure at BHU and Railway Hospital.

A systemic effort has also been found to be initiated to strengthen village and cottage industry, including Banarasi Silk Industry, Wooden Toys Industry.

ARYA PRAWAH PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय वाराणसी के विकास के आर्थिक प्रभाव का करेगा अध्ययन